लोक वाद्य यंत्र ढोल–दमाऊं एवं मसकबाजा के वादन हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला

विभिन्न सामाजिक कारणों (यथाः पलायन, मनोरंजन के नवीन साधन अथवा क्रियाकलापों की लिखित पाण्डुलिपियों का अभाव आदि) से वैदिक काल से बजने वाले लोकवाद्य आज एक कोने पर खड़े हैं। डायट टिहरी द्वारा 2023–2024 की वार्षिक कार्ययोजना एवं के आलोक में लोक वाद्य यंत्र ढोल–दमाऊं के वादन हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला की गयी। पारम्परिक लोक वाद्य एवं सांस्कृतिक विरासत के रख–रखाव एवं प्रचार प्रसार हेतु जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, टिहरी गढ़वाल में प्रख्यात ढोल वादक श्री उत्तम दास के मार्गदर्शन में ढोल–दमांउ प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षु शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।